**Application Acknowledgement**

Dear Dr. Sheetal Chandra Jain,

Thank you for filling online application.

Application Reference Number is CSU03/2023/00116.

**Your online application has been submitted to Central Sanskrit University, Delhi. However, please check your email and follow the steps mentioned there for successful submission.**

**Please check your SPAM folder as well and if you still do not find email then please write to below mentioned email ID.**

Regards,

Central Sanskrit University, Delhi

Ministry of Education, Government of India

1. In case of any assistance please contact through –
   - E-mail – help[dot]schemes[at]csu[dot]co[dot]in (help.schemes@csu.co.in)
   - Ph. No. : 011-28524993, 28524995, 28520979, 28520966
   - Director (Central Schemes),
     ...(Scheme name)...,
     Central Sanskrit University,
     56-57, Institutional Area,
     Janakpuri, New Delhi – 110058
2. Visit website for updates –
   - Website - www.sanskrit.nic.in/schemes
   - Website - www.sanskrit.nic.in

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, श्रीगानेर, जयपुर-29 (राज.)

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,
मदाऊ, शांकरोटा, जयपुर 302026 Ph - 0141-5132022
अनुसन्धान-केन्द्र
www.jrrsanskritunversity.ac.in email- jrrsu@yahoo.com

क्रमांकः प( ) / जरारासंविवि / अनु. के. / 16 दिनांकः-

ADHYATM PRAKASH JAIN
s/o ASHOK KUMAR JAIN
C/0- Sh. PRAMOD KUMAR JAIN,
MARUTI COLONY,
BAJRANG MAIDAN KE PASS , DAUSA,RAJ.303303

माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में दिनांक 27.01 2016.को सम्पन्न शोधविषय निर्वाचिनी समिति की बैठक के निर्णयानुसार शोध निर्देशक डॉ. शीतलचन्द जैन, दि. जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय सांगानेर, जयपुर के निर्देशन में अधोलिखित विषय पर शोध कार्य करने की स्वीकृति प्रदान की गई है:-

"भारतीयदर्शनेषु आप्तविषयकमान्यतानां तुलनात्मकमध्ययनम्, (आप्तपरीक्षायाः विशेषसन्दर्भे)"

आपका विश्वविद्यालय में पंजीकरण (एनरोलमेन्ट) नम्बर -2001/7119 है तथा आपके शोध कार्य आरम्भ करने की दिनांक -19/05/2016 है। माननीय कुलपति महोदय के अनुमोदनोपरान्त आपको शोध पंजीयन संख्या - जरारासंविवि/वे.वे.सं./दर्शन/2016/19 आवंटित की जाती है।

निदेशक
अनुसन्धान केन्द्र

क्रमांकः प16 / .के .अनु / जरारासंविवि / ( ) 652 दिनांकः- 5/7/16

1. विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, जरारासंविवि, जयपुर
2. शोध निर्देशक डॉ. शीतलचन्द जैन, दि.जैन आचार्य संस्कृत कालेज, सांगानेर, जयपुर
3. कार्यालय प्रतिलिपि।

निदेशक
अनुसन्धान केन्द्र

Verified



प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर-2 (राज.)

(63) 36 (77)

0141-5132022

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय,
मदाऊ, गांकरोटा, जयपुर-302026

अनुसन्धान-केन्द्र

क्रमांक प.( )जरारासंविवि/अनु.के./13/

दिनांक-

## अनुसन्धान बोर्ड बैठक एजेंडा

आज दिनांक 13.03.2014 को मध्याह्न 12. बजे आयोजित उपवेशन में अधोलिखित महानुभाव उपस्थित हुएः-

1 प्रो.रामानुज देवनाथन् माननीय कुलपति महोदय,
2. प्रो. अशोक कुमार तिवारी, (अधिष्ठाता, वेद-वेदाङ्ग संकाय)
3. प्रो. लालचन्द शर्मा, (अधिष्ठाता, दर्शन एवं श्रमणविद्या-संकाय)
4. प्रो. ताराशंकर शर्मा, (अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति-संकाय)
5. प्रो. के.शाम्बशिव मूर्ति, (अधिष्ठाता, शिक्षा-संकाय)

एजेन्डा के लिए प्रस्तावित समस्त विचारणीय बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर अधोलिखितानुसार निर्णय लिये गये-

| क्र.सं. | एजेन्डा | निर्णय |
|---|---|---|
| 1. | 1. विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु इस विश्वविद्यालय के शोधोपाधि नियम के बिन्दु संख्या-14 के अन्तर्गत अधिकतम शोधार्थियों की संख्या जो एक शोध निर्देशक शोध कार्य हेतु अपने निर्देशन के अधीन ले सकता है वह निम्न प्रकार निर्धारित है-<br>(क) आचार्य (प्रोफेसर,) विश्वविद्यालय से सम्बद्ध/प्राचार्य आचार्य महाविद्यालय से सम्बद्ध 08<br>(ख) सह-आचार्य (एसोसिएट-प्रोफेसर) विश्वविद्यालय से सम्बद्ध/आचार्य (प्रोफेसर) महाविद्यालय से सम्बद्ध 08<br>(ग) सहायक आचार्य (असिस्टेंट-प्रोफेसर, प्राध्यापक, व्याख्याता) महाविद्यालय से सम्बद्ध 08<br>उक्त सन्दर्भ में अनुमोदनार्थ माननीय कुलपति महोदय द्वारा डी.आर.सी. 22.11.12. को आयोजित की पत्रावली की कार्यालय | स्वीकृत।<br><br>माननीय कुलपति महोदय, के निर्देशानुसार शिक्षा संकाय के एक शोध निर्देशक के अधीन 08 |



Verified 28.7.18

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय

| | | |
|---|---|---|
| | टिप्पणी के पैरा 54/एन के क्रम के आधार पर विशेष परिस्थिति में केवल डी.आर.सी. 2012 में स्वीकृत शोधार्थियों के सन्दर्भ में शिक्षा-संकाय के शोध-निर्देशकों को विशेष परिस्थिति में 08 शोधार्थियों के स्थान पर 12 शोधार्थियों को रखने की अनुमति पैरा 59/एन में प्रदान की है। (छाया प्रति संलग्न है) | शोधार्थियों के स्थान पर 12 शोधार्थियों की स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। यह अनुमोदन केवल सत्र 2012 की डी.आर.सी. के लिये ही वैध रहेगा। |
| 2. | 2.डा. लालचन्द शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर द्वारा दिनांक 02.09.13 को शोध-निर्देशक हेतु आवेदन पत्र मय आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ प्रस्तुत किया है, श्री शर्मा दर्शन विषय में विद्यावारिधि हैं, अतः दर्शन विषय में शोध-निर्देशक बनाये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत। | डा. लालचन्द शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर को दर्शन विषय के शोध निर्देशक बनाये जाने का निर्णय लिया गया। |
| 3. | 3.डा. शीतल चन्द जैन, निदेशक, संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-उच्चस्तरीय-अध्ययन एवं अनुसन्धान-केन्द्र, 66, मनिहारों का रास्ता, जयपुर को दर्शन विषय में शोध निर्देशक बनाये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत है। | डा. शीतल चन्द जैन, निदेशक, संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-उच्चस्तरीय-अध्ययन एवं अनुसन्धान-केन्द्र, को दर्शन विषय के शोध निर्देशक बनाये जाने का निर्णय लिया गया। |
| 4. | 4. (क) यू.जी.सी. के द्वारा पीएच.डी./एम.फिल. हेतु निर्धारित मानदण्ड 2009 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति द्वारा गठित समिति द्वारा प्रस्तावित नियमों का इस विश्वविद्यालय के नियमों में समायोजन। | प्रस्तावित बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर यथावत् अधोलिखितानुसार स्वीकार करने का निर्णय किया गया तथा बिन्दु सं.- 1 से 12 तक का अनुमोदन किया गया।<br>बिन्दु संख्या 12/1. में 'डमी' के स्थान पर * 'कम्पोज्ड डमी' संशोधन किया गया।<br>पाँचवे बिन्दु पर इस प्रकार जोडने का निर्णय लिया गया-<br>*शोधार्थी को शोध प्रबन्ध में ही किसी भी I.S.S.N. अंकित पत्रिका में प्रकाशित शोध लेख तथा अपना परिचय-विवरण पत्र संलग्न करना होगा। |
| | 4.(ख) षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम (विद्यावारिधि (पीएच.डी.) हेतु) पाठ्यक्रम का अनुमोदन। | माननीय कुलपति से गठित पाठ्यक्रम निर्धारण समिति द्वारा दिनांक 03.03.2014 को प्रस्तावित "षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम { विद्यावारिधि (पीएच.डी.) हेतु}SEMESTER RESERCH COURSE-WORK { FOR VIDYAVARIDHI (Ph.D.)}" के शास्त्र वर्ग एवं शिक्षा शास्त्र वर्ग का पाठ्यक्रम यथावत् स्वीकृत करने के निर्णय लिया गया। |

Verified

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

(64)

78

37

| | | |
|---|---|---|
| | टिप्पणी के पैरा 54/एन के क्रम के आधार पर विशेष परिस्थिति में केवल डी.आर.सी. 2012 में स्वीकृत शोधार्थियों के सन्दर्भ में शिक्षा-संकाय के शोध-निर्देशकों को विशेष परिस्थिति में 08 शोधार्थियों के स्थान पर 12 शोधार्थियों को रखने की अनुमति पैरा 59/एन में प्रदान की है। (छाया प्रति संलग्न है) | शोधार्थियों के स्थान पर 12 शोधार्थियों की स्वीकृति का अनुमोदन किया गया। यह अनुमोदन केवल सत्र 2012 की डी.आर.सी. के लिये ही वैध रहेगा। |
| 2. | 2.डा. लालचन्द शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर द्वारा दिनांक 02.09.13 को शोध-निर्देशक हेतु आवेदन पत्र मय आवश्यक प्रमाण-पत्रों के साथ प्रस्तुत किया है, श्री शर्मा दर्शन विषय में विद्यावारिधि हैं, अतः दर्शन विषय में शोध-निर्देशक बनाये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत। | डा. लालचन्द शर्मा, प्रोफेसर, राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर को दर्शन विषय के शोध निर्देशक बनाये जाने का निर्णय लिया गया। |
| 3. | 3.डा. शीतल चन्द जैन, निदेशक, संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-उच्चस्तरीय-अध्ययन एवं अनुसन्धान-केन्द्र, 66, मनिहारों का रास्ता, जयपुर को दर्शन विषय में शोध निर्देशक बनाये जाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत है। | डा. शीतल चन्द जैन, निदेशक, संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-उच्चस्तरीय-अध्ययन एवं अनुसन्धान-केन्द्र, को दर्शन विषय के शोध निर्देशक बनाये जाने का निर्णय लिया गया। |
| 4. | 4. (क) यू.जी.सी. के द्वारा पीएच.डी./ एम.फिल. हेतु निर्धारित मानदण्ड 2009 के परिप्रेक्ष्य में माननीय कुलपति द्वारा गठित समिति द्वारा प्रस्तावित नियमों का इस विश्वविद्यालय के नियमों में समायोजन। | प्रस्तावित बिन्दुओं पर विचार विमर्श कर यथावत् अधोलिखितानुसार स्वीकार करने का निर्णय किया गया तथा बिन्दु सं.- 1 से 12 तक का अनुमोदन किया गया ।<br>बिन्दु संख्या 12/1. में 'डमी' के स्थान पर * 'कम्पोज्ड डमी' संशोधन किया गया।<br>पाँचवे बिन्दु पर इस प्रकार जोडने का निर्णय लिया गया-<br>*शोधार्थी को शोध प्रबन्ध में ही किसी भी I.S.S.N. अंकित पत्रिका में प्रकाशित शोध लेख तथा अपना परिचय-विवरण पत्र संलग्न करना होगा। |
| | 4.(ख) षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम (विद्यावारिधि (पीएच.डी.) हेतु) पाठ्यक्रम का अनुमोदन। | माननीय कुलपति से गठित पाठ्यक्रम निर्धारण समिति द्वारा दिनांक 03.03.2014 को प्रस्तावित "षाण्मासिक शोध पाठ्यक्रम { विद्यावारिधि (पीएच.डी.) हेतु}SEMESTER RESERCH COURSE-WORK { FOR VIDYAVARIDHI (Ph.D.)}" के शास्त्र वर्ग एवं शिक्षा शास्त्र वर्ग का पाठ्यक्रम यथावत् स्वीकृत करने के निर्णय लिया गया। |

Verified



प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, साँगानेर, जयपुर-29 (राज.)
28.7.18

(65)

38 (79)

| | | |
|---|---|---|
| | | एवं आसन की अनुमति से उक्त पाठ्यक्रम के अध्यापन की व्यवस्था अधोलिखितानुसार की जायेगी:-<br>(क) इस हेतु दो शिक्षक संविदा पर (250/-रुपये प्रति कालॉश, अधिकतम 12,000/- रुपये प्रतिमाह,) पर रखा जाना स्वीकृत किया गया तथा यू.जी.सी. मापदण्डों के अनुसार शिक्षक की योग्यता होना आवश्यक है।<br>(ख) प्रत्येक माह में प्रतिप्रश्न-पत्र दो व्याख्यान विषय विशेषज्ञों के (500/-रु. प्रति व्याख्यान तथा 100/रु. लोकल कन्वेंस) इस प्रकार कुल= 600/-रु. देय होगा।<br>(ग) इस विश्वविद्यालय परिसर के शिक्षकों के व्याख्यान 250/-रु. प्रति व्याख्यान के हिसाब से करवाये जा सकेंगे।<br>2. इस विश्वविद्यालय के वर्तमान शोध नियम में "यू.जी.सी. नियम- 2009" मापदण्डों के परिप्रेक्ष्य में संशोधन / परिवर्धन हेतु तीन सदस्यों की समिति गठित की गई-<br>1.प्रो. सतीश कौलावत,<br>(से.नि. प्रो. रा.सं.सं.जयपुर)<br>2. प्रो. गोपीनाथ शर्मा,<br>(से.नि.प्रो.जरारासंविवि,जयपुर)<br>3.प्रो. राजेन्द्र मिश्र,<br>(विभागाध्यक्ष, वेद,) |

प्रो. रामानुज देवनाथन्
(माननीय कुलपति महोदय)

प्रो. अशोक कुमार तिवारी
(अधिष्ठाता, वेद-वेदाङ्ग-संकाय)

प्रो. लालचन्द शर्मा,
(अधिष्ठाता, दर्शन एवं श्रमणविद्या-संकाय)

प्रो. ताराशंकर शर्मा,
(अधिष्ठाता, साहित्य एवं संस्कृति-संकाय)

प्रो. के.शाम्बशिव मूर्ति,
(अधिष्ठाता, शिक्षा-संकाय)

Verified
28.7.18



प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड़, साँगानेर, जयपुर-29 (राज.)

...संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

2–2ए, पाठ्य पुस्तक मण्डल भवन, झालाना डूँगरी, जयपुर

क्रमांकः– रासंविवि / शैक्ष. / 2004 /

दिनांक........................

## : : कार्यालय आदेश : :

विश्वविद्यालय के परिनियम की धारा 27 (3) के अन्तर्गत गठित अनुसंधान बोर्ड ने दिनांक 10.09.2004 को सम्पन्न बैठक में निर्णय संख्या 1:3 के अनुसार इस विश्वविद्यालय द्वारा जारी कार्यालय आदेश क्रमांक रासंविवि. / शैक्ष. / 155 / 2003 / 11804–863 दिनांक 21.10.2002 एवं रासंविवि / शैक्ष. / 155 / 2003 / 20333 दिनांक 07.08.2003 की समीक्षा विश्वविद्यालय के विद्या–वारिधि (पीएच.डी) उपाधि हेतु नियमों के नियम संख्या 2–ख के आधार पर परीक्षण करके नियमानुसार पात्र निम्नलिखित शिक्षकों को शोध पर्यवेक्षक के रूप में पंजीकृत करने की पुष्टि की है :–

| क्र.सं | संकाय का नाम | शोध पर्यवेक्षक का नाम एवं पता | पंजीकरण संख्या | टिप्पणी |
|---|---|---|---|---|
| 1 | साहित्य एवं संस्कृति संकाय | डॉ. रामकुमार दाधीच, प्राचार्य, राज. आ.सं. महाविद्यालय, अजमेर | रासंविवि / शोध / सासंस / 2002 / 105 | सम्प्रति प्राचार्य, राज. महाराणा आ.सं. महाविद्यालय, उदयपुर |
| 2. | दर्शन संकाय | डॉ. मण्डन शर्मा राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / द.स. / 2002 / 201 | सम्प्रति प्राचार्य, राज. आ.सं. महाविद्यालय, मनोहरपुर |
| 3. | श्रमण विद्या संकाय | डॉ. शीतल चन्द जैन, प्रचार्य, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / श्रविसं / 2001 / 301 | ......... |
| 4. | श्रमण विद्या संकाय | डॉ. सनत कुमार जैन, व्याख्याता, श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / श्रविसं / 2002 / 302 | ......... |
| 5. | वेद–वेदांग संकाय | डॉ. बजरंग लाल शर्मा प्रोफेसर व्याकरण राजकीय आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / वेवे / 2002 / 402 | ......... |
| 6. | वेद–वेदांग संकाय | प्रो. दीरघराम रामस्नेही, प्रोफेसर भाषा विज्ञान राज.दरबार आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जोधपुर | रासंविवि / शोध / वेवे / 2002 / 405 | ......... |
| 7. | वेद–वेदांग संकाय | डॉ. उमेश प्रसाद दाश, | रासंविवि / शोध / | सम्प्रति सहायक |

Verified

प्राचार्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | वेद–वेदांग संकाय | डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, प्रोफेसर, पौरोहित्य, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर | रासंविवि / शोध / वेवे / 2002 / 407 | 16.07.2004 तक (17.07.2004 से संयुक्त निदेशक, हैं।) |
| 9. | वेद–वेदांग संकाय | डॉ. भास्कर शर्मा, प्रोफेसर ज्योतिष राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / वेवे / 2002 / 408 | .......... |
| 10. | वेद–वेदांग संकाय | डॉ. विनोद कुमार शर्मा, व्याख्याता–ज्योतिष राज. महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / वेवे / 2002 / 4010 | सम्प्रति सहायक प्रोफेसर, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय., जयपुर |

विद्या–वारिधि उपाधि नियमों के नियम संख्या 2(ख) के आधार पर कार्यालय आदेश क्रमांकरासंविवि / शैक्ष. / 155 / 2003 / 20333 दिनांक 7.8.2003 के बाद निम्नांकित पात्र शोध पर्यवेक्षकों के पंजीकरण की पुष्टि की गई :–

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 5 | साहित्य एवं संस्कृति संकाय | डॉ. वीनारानी सरेनी, व्याख्याता, श्री दादू आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / सा.संसं / 303 / 111 | — |
| 6 | साहित्य एवं संस्कृति संकाय | डॉ. रामदेव साहू, व्याख्याता, श्री दादू आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / सा.संसं / 03 / 112 | — |
| 7 | साहित्य एवं संस्कृति संकाय | डॉ. विनोद बिहारी शर्मा, प्रोफेसर राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / सा.संसं / 03 / 113 | इन्हें शोध पर्यवेक्षक के रूप में दिनांक 10.09.04 से पंजीकृत मान्य किया जाता है। |

विद्या–वारिधि नियमों के नियम संख्या 2(ख) 3 के आधार पर कार्यालय आदेश रासंविवि / शैक्ष. / 155 / 2003 / 19463 दिनांक 05.07.2003 की समीक्षा निम्नांकित पात्र शोध पर्यवेक्षकों के पंजीकरण की पुष्टि की गई :–

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1 | प्रो. सत्यदेव मिश्र | कुलपति, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर | रासंविवि / शोध / दर्शन संकाय / 03 / 202 | 3.5.03 से 29.05.05 तक |

अनुसंधान बोर्ड ने उपर्युक्त वर्णित दोनों कार्यालय आदेशों में शेष रहे शिक्षकों के सम्बद्ध में निम्नांकित संस्तुतियां की हैं :–

1:3:1 कार्यालय आदेशों में ऐसे शिक्षक जो इस विश्वविद्यालय की स्थापना [illegible] विश्वविद्यालय, जयपुर, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर और मोहनलाल सखाडिया विश्वविद्यालय उदयपुर द्वारा उनके नियमों के

1:3:2: उन्हें यदि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों में अन्यथा बाध्यता नहीं तो उनके पर्यवेक्षक बनने के आदेश जारी होने की तिथि से तीन वर्ष की अवधि में विद्या–वारिधि (पीएच.डी) की उपाधि अर्जित करने की छूट दे दी जावे, किन्तु ऐसे अभ्यर्थी ने यदि शोधोपाधि हेतु पंजीकरण नहीं कराया है तो उसे इस छूट का लाभ नहीं दिया जावे। ऐसे
पर्यवेक्षक अपने अधीन पंजीकृत शोधार्थी का शोध प्रबन्ध तभी प्रस्तुत कर सकेंगे जब वे स्वयं शोधोपाधि अर्जित कर लें।

अतः सम्बंधित शिक्षकगण वांछित सूचनाएं शीघ्रातिशीघ्र अधोहस्ताक्षरकर्ता को एक माह में प्रस्तुत करें।

कुलसचिव

क्रमांकः– रासंविवि/शैक्ष./2004/ 8886-938 दिनांक 7/2/05

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित हैं:–

1. विश्वविद्यालय से सम्बद्ध आचार्य स्तर के समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं प्रभारी, अध्ययन केन्द्र।
2. कार्यालय आदेश क्रमांक 11804–863 दिनांक 21.10.02 एवं 20333 दिनांक 7.08.2003 में अंकित समस्त शिक्षक गण।
3. परीक्षा नियन्त्रक राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
4. निजी सहायक, कुलपति, राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।

कुलसचिव

Verified

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

क्रमांक: रासंविवि/शोध/155/2002/ 11004 - 863 दिनांक:- 21-10-2002

## कार्यालय-आदेश

विश्वविद्यालय में शोध कार्य संपादित कराने के लिए निम्नांकित शिक्षकों को शोध पर्यवेक्षक के रूप में पंजीकृत किया जाता है :-

### साहित्य एवं संस्कृति संकाय

| क्र. सं. | नाम | महाविद्यालय का नाम | पंजीकरण संख्या |
|---|---|---|---|
| 1. | प्रो. माणिक्य लाल शास्त्री (प्राचार्य) | जी. आर. चमडिया आचार्य संस्कृत महा. फतेहपुर शेखावाटी | रासंविवि/शोध/सा. संस/2002/101 |
| 2. | प्रो. ताराशंकर शर्मा | राजस्थान संस्कृत वि. वि. जयपुर | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/102 |
| 3. | प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा (प्राचार्य) | राज. महाराज आ. संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/103 |
| 4. | प्रो. लक्ष्मीनारायण आसोपा (प्राचार्य) | राज. महाराणा आ. संस्कृत महा. उदयपुर | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/104 |
| 5. | डा. रामकुमार दाधीच (प्राचार्य) | राज. आचार्य संस्कृत महा. अजमेर | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/105 |
| 6. | प्रो. रामविलास शर्मा | बिरला आचार्य संस्कृत महा. पिलानी | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/106 |
| 7. | प्रो. भगवान दास स्वामी (प्राचार्य) | ऋषिकुल आचार्य संस्कृत महा. लक्ष्मणगढ (सीकर) | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/107 |
| 8. | प्रो. रामगोपाल शर्मा | राज. गंगा शार्दुल आचार्य संस्कृत महा. बीकानेर | रासंविवि/शोध/सासंस/2002/108 |

### दर्शन संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | डा. मण्डन शर्मा | राज. महाराज आ. संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/द. सं/2002/201 |

### श्रमण विद्या संकाय

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 | डा. शीतल चन्द जैन (प्राचार्य) | श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/श्रविसं/2001/301 |
| 11 | डा. सनत कुमार जैन (व्याख्याता) | श्री दिगम्बर जैन आ. सं. महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/श्रविसं/2002/302 |

Verified

प्राचार्य
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय
जैन नसियाँ रोड, सांगानेर, जयपुर-29 (राज.)

3.1.2



वेद वेदांग संकाय

| | | |
|---|---|---|
| 12. प्रो. अशोक कुमार तिवाडी<br>प्रो. व्याकरण | राज. संस्कृत विश्वविधालय<br>जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/401 |
| 13. डा. बजरंग लाल शर्मा<br>प्रो. व्याकरण | राज. महाराज आचार्य<br>संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/402 |
| 14 महन्त बजरंगदास स्वामी<br>(प्राचार्य) | श्री दादू आचार्य संस्कृत<br>महाविधालय, जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/403 |
| 15. प्रो. भगवती प्रसाद देशवाल<br>प्रो. व्याकरण | श्री दादू आचार्य संस्कृत<br>महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/404 |
| 16. डा. दीरधराम रामस्नेही<br>प्रो. भाषा विज्ञान | राज. दरबार आचार्य<br>संस्कृत महा. जोधपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/405 |
| 17. डा. उमेश प्रसाद दाश<br>व्याख्याता-यजुर्वेद | राज. महाराज आचार्य<br>संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/406 |
| 18. डा. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र<br>प्रो. पौरोहित्य | राज. संस्कृत विवि. जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/407 |
| 19 डा. भास्कर शर्मा<br>प्रो. ज्योतिष | राजस्थान संस्कृत वि. वि.<br>जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/408 |
| 20 प्रो. नागेन्द्र पतिहस्त<br>व्याख्याता-ज्योतिष | राज. आचार्य संस्कृत महा.<br>कोटा (राज.) | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/409 |
| 21 डा. विनोद कुमार शर्मा<br>व्याख्याता-ज्योतिष | राज. महाराज आचार्य<br>संस्कृत महा. जयपुर | रासंविवि/शोध/<br>वेवे/2002/410 |

कुल सचिव

क्रमांक: रासंविवि/परीक्षा/155/2002/ 11004-863 दिनांक:- 21-10-2002

प्रतिलिपि सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-

1. प्राचार्य -समस्त आचार्य संस्कृत महाविधालय
2. सभी सम्बन्धित .....

परीक्षा नियंत्रक